प्रवेशिका द्वितीय वर्ष

तबला - पखावज

पूर्णांक : 125, न्यूनतम : 44

शास्त्र 50, न्यूनतम : 18

क्रियात्मक : 75, न्यूनतम : 26

शास्त्र :

1) विलंबित मध्य तथा द्रुतलय का ज्ञान।
2) तबला/पखावज के विभिन्न वर्ण और उन्हें अपने वाद्य पर निकालने की विधि :
   - अ) केवल दाहिने हाथसे बजने वाले वर्ण
   - ब) केवल बाये हाथसे बजने वाले वर्ण
   - क) दोनो हाथसे एक साथ बजने वाले वर्ण
3) निम्नलिखित बोलों की निकास विधि लिखिये :
   तिरकिट तकडां, कडधा, किटतक, धिड़नग, धिरधिर, त्रक, क्डधान्, गदीगन
4) पं. भातखंडे तथा पं. पलुस्कर ताल लिपि पद्धतियों की संपूर्ण जानकारी।
5) निम्नलिखित तालों को दोनों ताल लिपि पद्धतियों में लिपि बद्ध करने का अभ्यास :
   - तबला : त्रिताल, दादरा, कहरवा, झपताल, रूपक
   - पखावज : चौताल, सूलताल, तीव्रा, धमार, तथा आदिताल
6) त्रिताल/चौताल तथा झपताल/सूलताल के टुकड़ों को पं. भातखंडे तालिपि पद्धति में लिपिबद्ध करने का अभ्यास
7) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा :
   कायदा, रेला, पलटा, तिहाई, मुखडा, लग्गी, उठान, चक्रदार, मोहरा

क्रियात्मक :

१) निम्नलिखित तालों के ठेकों को हाथ से ताल देकर दुगुन लय में बोलने का तथा बजाने का अभ्यास :

तबला : धुमाली, दिपचन्दी, चौताल, तेवरा.

पखावज : धमार, तीव्रा, त्रिताल

2) इस वर्ष के शास्त्र पक्ष में उल्लिखित सभी बोलों को भलीभाँति निकालने की क्षमता

3) निम्नलिखित तालों में विस्तार

(तबले के विद्यार्थी)

अ) त्रिताल : 'त्रक' तथा 'धातीधागे' का, एक-एक कायदा, चार पलटे, तिहाई एक रेला, चार किस्म एक चक्रदार, दो टुकड़े,

ब) झपताल : एक कायदा, दो तिहाई,

क) एकताल : दो तिहाई, दो टुकडे,

ड) दादरा तथा कहरवा मे दो सरल लग्गीयाँ

इ) रूपक : दो किस्म, दो तिहाई, दो टुकड़े

(पखावज के विद्यार्थी)

अ) चौताल : दो रेले, एक पडार, दो साधारण परने, दो चक्रदार परने तथा दो टुकड़े

ब) सूलताल : एक रेला, दो परने,

क) धमार : दो परने, दो तिहाईयाँ, दो टुकडे

ड) तीव्रा : ठेके के दो प्रकार, दो परन, दो तिहाईयाँ

4) तबला : छोटा ख्याल अथवा रजाखानी गत के साथ त्रिताल में संगत करने की क्षमता।

पखावज : ध्रुपद के साथ संगत करने की क्षमता

5) क्रियात्मक मे लिखित सभी रचना प्रकारों की हाथ से ताल देकर पढन्त।

अंकपत्रिका :

सूचना : *१) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 20 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है।*

२) विद्यार्थी को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा।

३) पखावज के लिए पाठ्यक्रमानुसार पखावज के ताल पूछे जाएँगे।

1)	तालों के ठेके तथा उनकी दुगुन बजाना	–	10 अंक
2)	निकास	–	05 अंक
3)	त्रिताल मे वादन	–	20 अंक
4)	झपताल, एकताल, रुपक मे वादन	–	15 अंक
5)	दादरा तथा कहरवा में लग्गियाँ	–	05 अंक
6)	साथसंगत (क्रियात्मक पाठ्यक्रम के अनुसार)	–	05 अंक
7)	हाथ से ताल देते हुअे पढन्त	–	10 अंक
8)	सामान्य प्रभाव	–	05 अंक
	कुल मौखिक	–	75 अंक